फार्म

अचल संपत्ति विवरिणका वर्ष 2013

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण – वर्ष **1979** के दौरान **"निरंक"**

1.अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नाम – **अजय कुमार श्रीवास्तव** 2.वर्तमान धारित पद – **निज सहायक** 3.कार्यालय का नाम – **मुख्य अभियंता (कारपोरेट अफेयर्स एवं आई.टी.) म.प्र.पॉवर ट्रांसमिशन कं.लि.,जबलपुर**

4.वर्तमान वेतन – **34,490/–** 5.भविष्य निधि क्रमांक – **22092506** 6. कर्मचारी संख्या – **81974410**

उस जिले उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति नाम तथा ब्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मण्डल अधिकारी/कर्मचारी से क्या संबंध है।	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
जबलपुर	रहवासी भवन क्षेत्रफल 570 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्रफल 1130 व.फु. (भूतल एवं प्रथम तल सहित)	निरंक	अनुमानित 7 लाख रुपये	स्वयं के नाम पर	स्वयं की बचत से विक्रेता श्री सुबीर कुमार मलहोत्रा, नेपियर टाऊन, जबलपुर	निरंक	निरंक
जबलपुर	रहवासी भवन क्षेत्रफल 715 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्रफल 1280 व.फु. (भूतल एवं प्रथम तल सहित)	निरंक	अनुमानित 8 लाख रुपय	स्वयं के नाम पर	स्वयं की बचत से विक्रेता श्री दीपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, नेपियर टाऊन, जबलपुर	निरंक	निरंक

हस्ताक्षर –

नाम – **अजय कुमार श्रीवास्तव**

पद – **निज सहायक**

* जहां लागू न हो काट दीजिए

* ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही–सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए

* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी –मण्डल द्वारा ग्राह्य म.प्र.शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1985 के नियम 19 (1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करे और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य व्यक्ति के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें।